S.A. 2 2019

ધો- 8

વિષય- हिन्दी વિભાગ= A 1-40 સ્કીમ ધો- 8

1	A	21	A
2	B	22	A
3	C	23	B
4	A	24	C
5	A	25	A
6	B	26	C
7	C	27	C
8	A	28	A
9	A	29	B
10	B	30	A
11	C	31	A
12	A	32	B
13	B	33	B
14	A	34	A
15	C	35	B
16	A	36	A
17	C	37	B
18	B	38	A
19	C	39	C
20	B	40	A

10

12/4/19

12/4/19

કરાસિંહ એમ ડાભોર

મ. શ. પોઠ ઉ. પ્રા. વિ. ઓજિયાળી

આણંદ

m 9925251377

२०१९ धोरण = ८

विभाग = B विषय: हिन्दी गु. ४० स्कीम

प्रश्न-१ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्य में दीजिए (किन्हीं-चार) गु.[८]

१ डायरी-लेखन के लाभ बताइए?

उत्तर डायरी-लेखन के अनेक लाभ हैं। इससे जीवन में घटी घटनाओं की जानकारी प्राप्त होती है। डायरी में तथ्यों का उल्लेख रहता है। उसमें व्यक्ति दिन भर जो अच्छे-बुरे काम करता है। उसका उल्लेख भी रहता है। इससे शनैः-शनैः बुराइयों से बचा जा सकता है। डायरी ही ऐसा दस्तावेज है। जिसे पढ़कर किसी व्यक्ति के जीवन के पिछले अनुभवों तथा घटनाओं की जानकारी और वह भी संबंधित व्यक्ति के शब्दों में प्राप्त की जा सकती है।

२ कच्छ के तीन बड़े शहरों कि विशेषता बताईए?

उत्तर मांडवी, भुज और मुन्द्रा ये कच्छ के तीन बड़े शहर हैं। मांडवी अत्यंत सुंदर बंदरगाह है। यह एक प्राचीन नगर है। यहाँ राजमहल, पवनचक्कियाँ तथा समुद्रतट दर्शनीय है। भुज वैभवशाली नगर है। यहाँ आयना महल, प्रागमहल, हिलगार्डन, स्वामिनारायण मंदिर, हमीरसर (तालाब), भुजिया पहाड़ आदि दर्शनीय स्थान हैं। मुन्द्रा में अनेक उद्योगों का विकास हुआ है। यहाँ कई प्राचीन इमारतें हैं।

३ शास्त्री-जी के संसदीय जीवन की शुरुआत कैसे हुई?

उत्तर शास्त्रीजी में कार्य करने के प्रति निष्ठा और मेहनत करने की अदम्य क्षमता थी। इन्हीं गुणों के कारण सन् १९३७ में वे संयुक्त प्रांत की व्यवस्थापिका सभा के लिए निर्वाचित हुए। भारत की स्वतंत्रता के बाद वे कई बार संसद के लिए चुने गए। परंतु सही मायने में शास्त्रीजी के संसदीय जीवन की शुरुआत सन् १९३७ के निर्वाचन से हुई थी।

४ खड्गसिंह ने सुलतान को कैसे प्राप्त किया?

उत्तर एक दिन संध्या के समय बाबा भारती घोड़े पर सवार होकर घूमने निकले। रास्ते में उन्होंने एक अपाहिज की करुणा भरी आवाज सुनी, उसने उनसे रामवाला गाँव पहुँचाने की प्रार्थना की। बाबा ने तरस खाकर उसे घोड़े पर बिठा लिया और खुद लगाम पकड़कर चलने लगे। अचानक उस अपाहिज ने झटका दिया और घोड़े की लगाम अपने हाथ में ले घोड़ा भगा दिया। वह अपाहिज कोई और नहीं डाकू खड्गसिंह ही था। इस प्रकार छल से खड्गसिंह ने सुलतान को प्राप्त किया।

5 ग्राहक ने ताले के बारे में दुकानदार को क्या सलाह दी
ग्राहक ने ताले के बारे में दुकानदार को यह सलाह दी कि वह दुकान पर ताला लगा दे और फिर घर जाकर आराम करे।

प्रश्न-2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्य में दीजिए (किन्हीं चार) 4×2

1 उजाले को बंदी बनाने का क्या अर्थ है?
उत्तर उजाले को बंदी बनाने का अर्थ है कि समाज में लोगों के बीच असमानता दिखाना। अमीरों के घरों में बिजली का उजाला होता है। मगर गरीबों के घरों में अब भी दीपक ही जलता है। ऐसा लगता है मानो उजाला महलों में कैद हो गया है।

2 बिना सोचे कार्य करने से क्या होता है?
उत्तर बिना सोचे कार्य करने से पछताना पड़ता है। वह कार्य ठीक से पूर्ण नहीं हो पाता, काम बिगड़ता है। काम बिगड़ने से जगत में हमारी हँसी होती है। हम मजाक का पात्र बन जाते हैं।

3 समुद्र ने कैसा रूप धारण किया है
उत्तर समुद्र में बड़े जोर का तूफान आया है। उसे देखकर ऐसा लगता है जैसे वह बहुत उफन रहा हो। समुद्र से लहरें इस प्रकार उठ रही हैं जैसे वे माझी की नाव को निगल जाएँगी। तूफानी समुद्र ऐसा लग रहा है जैसे उसका सामना कोई नहीं कर सकता। सागर के ज्वार ने बड़ी कठिन परिस्थितियाँ पैदा कर दी हैं। तूफानी समुद्र आज अपनी असीम शक्ति दिखाने पर तुला हुआ है। उसकी लहरों ने जैसे मनुष्य को पराजित करने की ठान ली है। इस प्रकार समुद्र ने बड़ा उग्र रूप धारण किया है।

4 सागर तट पर कौन रहता है? वह किस काम आता है?
उत्तर सागर के तट पर नमक रहता है। वह खाने में उपयोग होता है।

5 दादाभाई नवरोजी शब्द की पहेली किस तरह पूछी गई है?
उत्तर दादाभाई नवरोजी शब्द-पहेली में इस तरह पूछा गया है- दादा है पर दादी नहीं, भाई है पर बहन नहीं, नव है पर दस नहीं, रोजी है पर रोटी नहीं

इस पहेली में पहले-पहले शब्द को लेकर जोड़ने से दादाभाई नवरोजी नाम बनता है।

प्रश्न-3 मातृभाषा में अनुवाद गुण [4]

(अ)
उत्तर

ભુજથી અંજાર પણ જવાય છે. આગળ વધતાં 'ભુજના' સંસ્થામાં અહીંના લોકોની હસ્તકળાનો પરિચય થાય છે. જેમ- તોરણની સ્મૃતિમાં મંદિર બનેલું છે, જે ઐતિહાસિક સ્થળ છે. અહીંથી આદીપુર તથા ગાંધીધામ જઈ શકાય છે. સુરખાબી નામના સ્થળે અમારી કચ્છયાત્રા પૂર્ણ થાય છે, જે અવિસ્મરણીય સ્મૃતિઓ અંકિત કરી જાય છે.

કહેવાય છે કે કચ્છ ન જોયું તો કંઈ જ ન જોયું. કચ્છ ગુજરાતનું ગૌરવ છે. તે સમસ્ત દુનિયાના લોકો માટે કોઈ પણ ઋતુમાં દર્શનીય અને આકર્ષણનું કેન્દ્ર છે.

(ब) निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। गु-[4]

उत्तर.

(1) शास्त्री जी सामान्य परिवार में पैदा हुए थे।

2 शास्त्रीजी ने बापू से प्रभावित होकर सन् 1921 में उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ी थी।

3 शास्त्री जी पर डॉ. भगवानदास तथा बापू का कुछ प्रभाव रहा था।

4 बाइबिल की उक्ति विनम्र ही पृथ्वी के वारिस होंगे. इस उक्ति शास्त्रीजी पर लागू होती है

(क) रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए. गु-[4]

- रूपरेखा का विस्तार
- घटना वर्णन
- कहानी संवाद रूप में
- विराम चिह्नों का प्रयोग
- भाषा शुद्धि
- शीर्षक - 'कंजूसी का परिणाम
- सीख - जीवन में करकसर करनी चाहिए, कंजूसाई नहीं।

गु-[7]

प्र-५ (अ) निम्नलिखित विषयों में से हिन्दी एक विषय पर निबंध लिखिए

1 २६ जनवरी प्रजासत्ताक दिन

२ मेरा प्रिय नेता लाल बहादुर शास्त्री

- विषयवस्तु
- भाषाशुद्धि
- शब्द. वर्तनी - इत्यादि ध्यान में रखना।

(ब) पत्र लेखन गु-[3]

अथवा डायरी

- पता - दिनांक
संबोधन
विषय वस्तु
भाषा शुद्धि
अंत = इत्यादि ध्यान में रखो।

× × ×

છત્રસિંહ એમ ડામોર

સ. વ. પોળ ક. પ્રા. વિ. જોળીયાવી

આણંદ